सरकार ने प्रशासानिक और चिकित्सा कर्मचारियों की संख्या में बढ़ोत्तरी, दवाओं की आपूर्ति तथा औषधालयों को किराए पर लेने सहित सऊदी अरब में अपने हज संस्थापन पर 6.73 करोड़ रूपए खर्च किए।

सीसारहित पेट्रोल की कमी के बारे में समाचार

354. **श्री सोमपाल :** क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान 13 अक्तूबर, 1995 के "दि इंडियन एक्सप्रेस" में दिल्ली और इसके आस-पास के इलाकों में सीसारहित पेट्रोल की कमी के बारे में प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया हैं;

(ख) यदि हां, तो सरकार की इस पर क्या प्रतिक्रिया हैं; और

(ग) इस कमी को दूर करने के लिए सरकार ने क्या कदम उठाये हैं या उठाने का विचार हैं?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन समीश शर्मा) : (क) जी, हां।

(ख) और (ग) ऐसा कोई भी खुदरा बिक्री केन्द्र पेट्रोल रहित नहीं रहता हैं, जहां सीसामुक्त पेट्रोल की सुविधा उपलब्ध करवाई गई हैं और दिल्ली में सीसामुक्त पेट्रोल की कोई कमी नहीं हैं। महानगरों और रेडियल राजमार्गो में सीसामुक्त पेट्रोल बेचने वाले खुदरा बिक्री केन्द्रों की संख्या में वृद्वि की जा रही हैं ताकि भविष्य की मांग की पूर्ति की जा सके।

पेट्रोलियम उत्पादों का आयात

355. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**

श्री राम जेठमलानी :

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि:

(क) क्या यह सच हैं कि आठवीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक देश में पेट्रोलियम की मांग पूरा करने के लिए पेट्रोलियम के आयात का बिल 15,000 करोड़ रूपये बढ़ जाने का अनुमान हैं;

(ख) यदि नहीं, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या हैं; और

(ग) वर्ष 1997 के अंत तक पेट्रोलियम पदार्थो का आयात कुल कितने मूल्य का हो जाने का अनुमान हैं?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) से (ग) 8वीं पंचवर्षीय योजना की समाप्ति तक तेल का आयात बिल अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों, स्वदेशी क्रूड उत्पादन, शोधन क्षमता के कार्यान्वयन और मांग की वास्तविक पूर्ति पर निर्भर होगा।

कच्चे तेल का उत्पादन

356. **श्रीमती सुषमा स्वराज:**

श्री राम जेठमलानी :

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि:

(क) क्या सरकार ने आठवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक देश के कच्चे तेल का उत्पादन के लिए कोई निर्धारित किया हैं;

(ख) यदि हां, तो कच्चे तेल के स्वदेशी उत्पादन की मात्रा का लक्ष्य क्या हैं;

(ग) क्या यह सच हैं कि अब तक प्राप्त संकेतों के आधार पर उपर्युक्त लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकेगा; और

(घ) यदि नहीं, तो सरकार की इस संबंध में क्या प्रतिक्रिया हैं और सरकारी अनुमानों के अनुसार वर्ष 1996-97 के अन्त तक कच्चे तेल के उत्पादन की अनुमानित क्षमता क्या हैं?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) से (घ) 1996-97 के दौरान 47.08 एम एम टी होने की संभावना हैं। सरकार ने कच्चे तेल के उत्पादन को बढ़ाने के लिए कई एक अल्पावधिक तथा मध्यमावधिक उपाय आरंभ किए हैं। इनमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं:-

1. नए क्षेत्रों का विकास।

2. विकास तथा इन्फिल कूपों का वेधन तथा उन्हें यथा-शीघ्र उत्पादन में लगाना।

3. उपयुक्त दबाव रख-रखाव तरीकों, वर्क ओवर कार्यो तथा इष्टतम उत्पादन के द्वारा रिजर्वायर की स्थिति का रख-रखाव।

4. कुछ एक मध्यम लघु आकार के क्षेत्रों को संयुक्त उद्यम कंपनियों/निजी पक्षकारों को प्रस्तावित करना।

5. प्रायोगिक पैमाने से पूर्ण पैमाने के क्षेत्रीय अनुप्रयोग के लिए बर्द्धित तेल निकासी योजनाओं का विस्तार।